



Mr. ??????

25 May 1997

04:50 PM

Karera

Model: web-freekundliweb

Order No: 121423603

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 25/05/1997
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 16:50:00 घंटे
इष्ट _____: 28:23:36 घटी
स्थान _____: Karera
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:27:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 16:32:36 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:07 घंटे
साम्पातिक काल _____: 08:44:56 घंटे
सूर्योदय _____: 05:28:33 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:00:21 घंटे
दिनमान _____: 13:31:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 10:27:55 वृष
लग्न के अंश _____: 13:02:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: पूर्वाषाढा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: शुभ
करण _____: बव
गण _____: मनुष्य
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: धा-धारिणी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

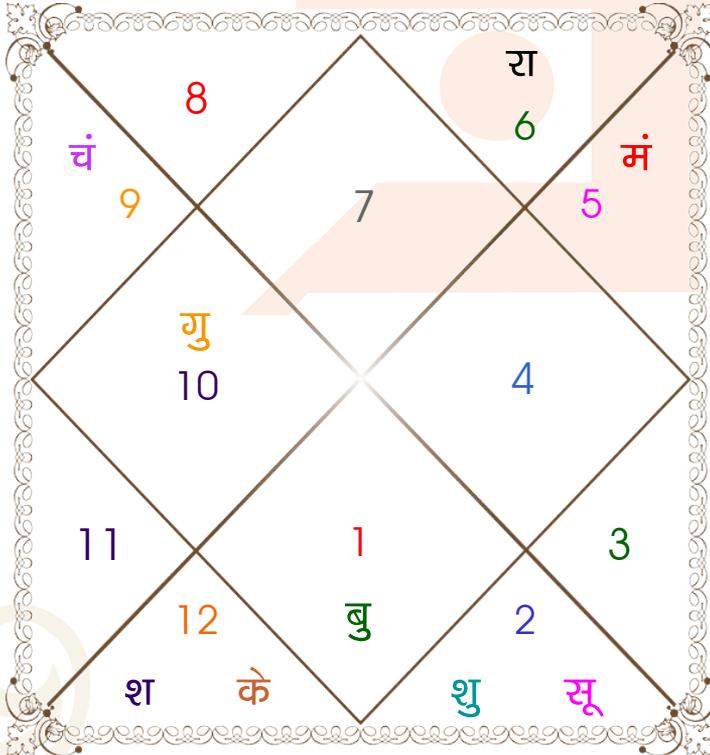
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद नं.	रा न	न अं.	स्थिति
लग्न	तुला	13:02:06	316:46:07	स्वाति	2 15	शुक्र	राहु	बुध ---
सूर्य	वृष	10:27:55	00:57:36	रोहिणी	1 4	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र	धनु	19:47:38	13:59:03	पूर्वाषाढा	2 20	गुरु	शुक्र	सम राशि
मंगल	सिंह	27:07:24	00:16:52	उ०फाल्गुनी	1 12	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध	मेष	15:29:04	01:05:23	भरणी	1 2	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु	मक	27:44:11	00:02:56	धनिष्ठा	2 23	शनि	मंगल	नीच राशि
शुक्र	वृष	24:17:33	01:13:33	मृगशिरा	1 5	शुक्र	मंगल	स्वराशि
शनि	मीन	22:53:10	00:05:53	रेवती	2 27	गुरु	बुध	सम राशि
राहु	व कन्या	02:18:00	00:08:02	उ०फाल्गुनी	2 12	बुध	सूर्य	मूलत्रिकोण
केतु	व मीन	02:18:00	00:08:02	पू०भाद्रपद	4 25	गुरु	गुरु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व मक	14:47:32	00:00:36	श्रवण	2 22	शनि	चंद्र	गुरु ---
नेप	व मक	05:59:30	00:00:44	उत्तराषाढा	3 21	शनि	सूर्य	बुध ---
प्लूटो	व वृश्चि	10:24:34	00:01:39	अनुराधा	3 17	मंगल	शनि	सूर्य ---
दशम भाव	कर्क	14:58:57	--	पुष्य	-- 8	चंद्र	शनि	गुरु --

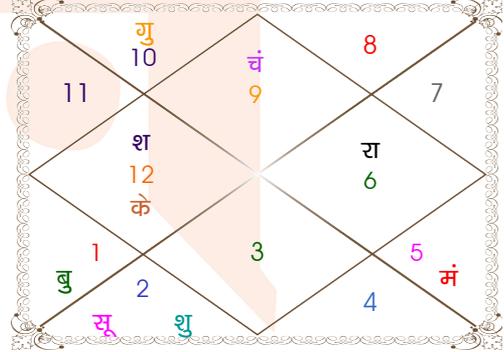
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:12

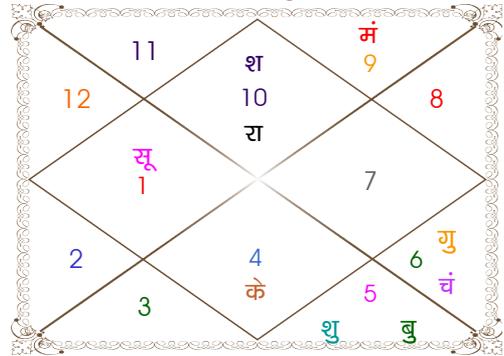
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 3 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
25/05/1997	16/09/2007	15/09/2013	16/09/2023	15/09/2030
16/09/2007	15/09/2013	16/09/2023	15/09/2030	15/09/2048
00/00/0000	सूर्य 03/01/2008	चंद्र 16/07/2014	मंगल 12/02/2024	राहु 29/05/2033
00/00/0000	चंद्र 04/07/2008	मंगल 15/02/2015	राहु 01/03/2025	गुरु 22/10/2035
00/00/0000	मंगल 09/11/2008	राहु 15/08/2016	गुरु 05/02/2026	शनि 28/08/2038
25/05/1997	राहु 03/10/2009	गुरु 15/12/2017	शनि 17/03/2027	बुध 16/03/2041
राहु 15/11/1997	गुरु 23/07/2010	शनि 17/07/2019	बुध 13/03/2028	केतु 04/04/2042
गुरु 16/07/2000	शनि 05/07/2011	बुध 15/12/2020	केतु 09/08/2028	शुक्र 04/04/2045
शनि 16/09/2003	बुध 10/05/2012	केतु 16/07/2021	शुक्र 09/10/2029	सूर्य 26/02/2046
बुध 16/07/2006	केतु 15/09/2012	शुक्र 17/03/2023	सूर्य 14/02/2030	चंद्र 28/08/2047
केतु 16/09/2007	शुक्र 15/09/2013	सूर्य 16/09/2023	चंद्र 15/09/2030	मंगल 15/09/2048

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
15/09/2048	15/09/2064	16/09/2083	16/09/2100	17/09/2107
15/09/2064	16/09/2083	16/09/2100	17/09/2107	00/00/0000
गुरु 03/11/2050	शनि 19/09/2067	बुध 11/02/2086	केतु 12/02/2101	शुक्र 16/01/2111
शनि 16/05/2053	बुध 29/05/2070	केतु 08/02/2087	शुक्र 14/04/2102	सूर्य 16/01/2112
बुध 22/08/2055	केतु 08/07/2071	शुक्र 09/12/2089	सूर्य 20/08/2102	चंद्र 16/09/2113
केतु 28/07/2056	शुक्र 06/09/2074	सूर्य 16/10/2090	चंद्र 21/03/2103	मंगल 16/11/2114
शुक्र 29/03/2059	सूर्य 19/08/2075	चंद्र 16/03/2092	मंगल 17/08/2103	राहु 26/05/2117
सूर्य 15/01/2060	चंद्र 20/03/2077	मंगल 13/03/2093	राहु 04/09/2104	00/00/0000
चंद्र 16/05/2061	मंगल 28/04/2078	राहु 01/10/2095	गुरु 11/08/2105	00/00/0000
मंगल 22/04/2062	राहु 04/03/2081	गुरु 06/01/2098	शनि 19/09/2106	00/00/0000
राहु 15/09/2064	गुरु 16/09/2083	शनि 16/09/2100	बुध 17/09/2107	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 3 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता है।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्त्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकजिमा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।